हिन्दी सान्ध्य दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित
देश की उपासना
देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए
वर्ष : 02 अंक : 18 : जौनपुर, गुरुवार 12 अक्टूबर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

चुनाव के समय विपक्षियों को आती है जाति की याद : योगी

एजेन्सी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्षी दलों में भगदड़ मची हुई है। चुनाव के समय विपक्षियों को जाति की याद आती है। बाकी साढ़े चार साल विपक्ष सोता रहता है।

वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना भेदभाव के समाज के प्रत्येक वर्ग को सरकार की योजनाओं का लाभ दे रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला एवं विराट किसान संगोष्ठी को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि विपक्षियों को चुनाव के समय जाति की याद आ जाती है। देश में स्किल डेवलपमेंट मिशन के माध्यम से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। मिशन रोजगार के अंतर्गत युवाओं को सरकारी नौकरी और स्वरोजगार से जोड़ा जा रहा है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीयता के भाव के साथ भारत एक नई उचाइयों की ओर आगे बढ़ रहा है। सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन अन्नदाता किसानों के लिए समर्पित था। उन्होंने श्हर हाथ को कामश और हर खेत को पानी का नारा दिया था। डबल इंजन की सरकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसी भाव के साथ कार्य कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत को समृद्धि के पथ पर अग्रसित करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने गांव, किसान, नौजवान और महिलाओं को माध्यम बनाया है, जिसके परिणाम आज हम सबके सामने हैं। धरती माता के स्वास्थ्य की चिंता प्रधानमंत्री मोदी ने की। इसके लिए केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद 2014 में स्वायल हेल्थ कार्ड की व्यवस्था की गई। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के माध्यम से किसानों को उनकी फसल की क्षति पूर्ति की जा रही है।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत सिर्फ उत्तर प्रदेश में छह वर्ष में 22 लाख हेक्टेयर भूमि को अतिरिक्त सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। प्रदेश में डबल इंजन की सरकार बनते ही लघु और सीमांत किसानों के एक लाख रुपये तक कर्ज माफ किया गया। किसान खुशहाल होगा तो देश समृद्ध होगा। आजादी के बाद पहली बार एमएसपी के जरिए किसानों को उनकी लागत का डेढ़ गुना मूल्य दिया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत तीन किस्तों में प्रदेश के 2 करोड़ 62 लाख किसानों को छह हजार रुपये दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी खेलो इंडिया, फिट इंडिया और सांसद खेल प्रतियोगिता के माध्यम से खेलों को बढ़ावा दे रहे हैं। इसी का नतीजा है कि इस बार के एशियन खेलों में भारत के मेडल्स की संख्या में वृद्धि हुई है।

सुप्रीम कोर्ट ने उठाए वायु प्रदूषण को लेकर सवाल

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण को नियंत्रण करने से जुड़े आयोग वायु प्रदूषण प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) से पूछा है कि दिल्ली और आसपास के क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित रखने के लिए क्या कदम उठाए हैं. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण की समस्या और पराली जलाने के बारे में प्रदूषण मामले में एमिकस क्यूरी के रूप में सुप्रीम कोर्ट की सहायता कर रही वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह की दलीलों को सुना. बेंच ने कहा कि एमिकस क्यूरी ने सर्दियां आने के साथ–साथ पराली जलाने के साथ–साथ वायु प्रदूषण की षांभीर समस्याष को चिह्नित किया है और उन्होंने कहा है कि ये मुद्दे सीएक्यूएम के समक्ष हैं अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि ठंड की शुरूआत और दीवाली आने के साथ, वायु प्रदूषण की समस्या बढ़ने वाली है. इसके बाद कोर्ट ने सीएक्यूएम से मामले में रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा कि वायु प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं इस बीच दिल्ली सरकार ने विंटर एक्शन प्लान के तहत 7 अक्टूबर से 7 नवंबर तक एंटी डस्ट कैंपेन की शुरूआत की है. गुरुवार को दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि इस कैंपेन के तहत पूरी दिल्ली में निगरानी के लिए 13 विभागों की 591 टीमें तैनात की गई हैं. दिल्ली में धूल प्रदूषण को रोकने के लिए 82 मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों, 530 वॉटर स्प्रिंकलर और 258 मोबाइल एंटी–स्मॉग गन तैनात की जा रही हैं खेतों से फसल काट लेने के बाद पौधों के बाकी बचे हिस्से को जलाना, इस समय पंजाब और हरियाणा के साथ ही दूसरे कई राज्यों में भी आम बात है. खेतों को साफ करने और अगली फसल के लिए तैयार करने की खातिर किसान आमतौर पर यही उपाय आजमाते हैं

छह घंटे तक नहीं खोला घर का दरवाजा, इंतजार करते रहे एनआईए अधिकारी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से संबंधित एक मामले में छापेमारी कर रही एनआईए की टीम को बुधवार को उपनगरीय विक्रोली में एक व्यक्ति के आवास के बाहर छह घंटे तक इंतजार करना पड़ा क्योंकि उसने घर का दरवाजा नहीं खोला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह व्यक्ति 7ध्11 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में भी आरोपी रहा था। हालांकि, अदालत ने उसे बरी कर दिया था। अधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की यह कार्रवाई पिछले साल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार दौरे के दौरान व्यवधान पैदा करने के मामले में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ छह राज्यों में कई स्थानों पर की गई छापेमारी का हिस्सा थी।अधिकारी ने कहा, ''एनआईए की एक टीम मुंबई पुलिस के साथ सुबह करीब पांच बजे विक्रोली के पार्कसाइट में एक चॉल में स्थित अब्दुल वाहिद शेख के आवास पर पहुंची, जो पहले 7ध्11 के मुंबई ट्रेन विस्फोट मामले में आरोपी था। लेकिन, शेख ने छह घंटे से अधिक समय तक दरवाजा नहीं खोला और अधिकारी बाहर इंतजार करते रहे। उन्होंने कहा कि घर के अंदर से शेख ने एनआईए से तलाशी वारंट की मांग की। अधिकारी ने कहा कि शेख ने उसके वकील और कुछ स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं के मौके पर पहुंचने के बाद सुबह करीब 11.15 बजे दरवाजा खोला।

अधिकारी ने कहा, ''तब एनआईए की टीम उसके आवास में दाखिल हुई और पीएफआई से संबंधित मामले में पूछताछ शुरू की। उन्होंने बताया कि शेख के आवास के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किये गये थे। शेख ने पहले वॉट्सऐप पर एक वीडियो संदेश पोस्ट किया था।

छात्रा को ट्रेन के आगे फेंकने के मामले में सीएम योगी ने लिया संज्ञान

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बरेली में शोहदों की छेड़छाड़ का विरोध करने पर जिंदगी और मौत के बीच झूल रही छात्रा के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को संज्ञान लिया और परिजनों को पांच लाख की मदद देने की घोषणा की। बरेली में कोचिंग जाने के दौरान शोहदों ने छात्रा से छेड़छाड़ की विरोध करने पर उसे रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। ट्रेन की चपेट में आने से छात्रा के दोनों पांव और एक हाथ कट गया। उसे गंभीर हालत में जिला प्रशासन ने एक निजी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। जहां पर उसकी हालत गंभीर है। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। इंस्पेक्टर थाना सीबीगंज समेत तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गए हैं। दो आरोपी भी पकड़े गए हैं।

फिर साबित हो गया कि अराजकता पसंद है सपा, ब्रजेश पाठक ने अखिलेश यादव पर साधा निशाना

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को कहा कि सील किये गये जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) के गेट को फांद कर समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज यह साबित कर दिया है कि अराजकता उनकी पार्टी की पहली पसंद है। ब्रजेश पाठक ने यहां कहा कि लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा सील किये गये जेपीएनआईसी के गेट को सपा अध्यक्ष ने अपने समर्थकों के साथ फांदा और जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इससे एक बार फिर साबित हो गया है कि सपा के लोग कानून व्यवस्था का पालन नहीं करते और उन्हे अराजकता पसंद है। उप मुख्यमंत्री ने तंज कसा कि सपा अध्यक्ष को यदि कूदना इतना पसंद है तो उन्हे हाल ही में संपन्न हुए एशियाई खेलों में भाग लेना चाहिए था ताकि वह देश के लिये कुछ मेडल ला पाते। गौरतलब है कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज गोमतीनगर स्थित जेपीएनआईसी के गेट को फांद कर लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया था। सपा का कहना है कि उन्होंने प्रतिमा पर माल्यार्पण के लिये लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को पत्र लिखा था मगर उन्हें सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुये अनुमति नहीं दी गयी। इससे पहले अखिलेश यादव ने ट्वीट कर अनुमति प्रदान नहीं करने के फैसले की भर्त्सना करते हुये एक्स पर पोस्ट किया '' महान समाजवादी विचारक, सामाजिक न्याय के प्रबल प्रवक्ता लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी की जयंती पर अब क्या सपा को माल्यार्पण करने से रोकने के लिए ये टिन की चद्दरें लगाकर जेपीएनआईसी का रास्ता रोका जा रहा है। सच ये है कि भाजपा लोकनायक जयप्रकाश जी के भ्रष्टाचार, बेकारी–बेरोजगारी और महंगाई के खघिलाफ छेड़े गये आंदोलन की स्मृति को दोहराने से डर रही है क्योंकि भाजपा के राज में तो भ्रष्टाचार, बेकारी–बेरोजगारी और महंगाई तब से कई गुना ज़्यादा है। उन्होने कहा ''अब क्या माल्यार्पण के लिए भी जयप्रकाश नारायण जी की तरह 'सम्पूर्ण क्रान्ति का आह्वान करना पड़ेगा। अगर भाजपा को यही मंजूर है तो यही सही।

हमास की निंदा, पर फिलिस्तीनियों का सम्मान भी जरूरी : थरूर

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री शशि थरूर ने इजरायल पर हमास के हमले को एक जघन्य आतंकवादी हमला करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की है और कहा है कि भारत ने हमेशा से चाहा है कि इजरायली एवं फिलिस्तीनी दोनों ही अपनी अपनी सुरक्षित सीमाओं में शांति और सम्मान से रहें लेकिन इसके लिए संघर्ष का रुकना एवं शांति बहाली जरूरी है। श्री थरूर ने इजरायल–फिलिस्तीन संघर्ष पर कांग्रेस कार्यसमिति के बयान लेकर उठे विवाद पर पार्टी की राय विस्तार से रखी और कहा, ''सबसे पहले पूरी स्थिति इजरायल में राष्ट्रीय अवकाश के दौरान हमास द्वारा अचानक किए गए हमले से भड़की है... यह एक आतंकी ऑपरेशन था। उन्होंने निर्दोष नागरिकों, बच्चों को मार डाला। बुजुर्ग लोग और युवा एक संगीत समारोह में भाग ले रहे हैं। हमास ने जो किया उसके लिए किसी भी औचित्य को स्वीकार करना वास्तव में असंभव था।

नीतीश कुमार के बयान पर भड़के सम्राट, कहा, लव कुश समीकरण ने प्रतिष्ठा देकर सीएम बनाया

एजेन्सी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी पर निशाना साधते हुए उनके पिता शकुनी चौधरी तक पहुंच गए तो चौधरी ने भी पलटवार करते हुए कई पुरानी बातें नीतीश कुमार को याद करा दी। पटना में सम्राट चौधरी से जब पत्रकारों ने नीतीश के बयान के संबंध में पूछा तो उन्होंने भड़कते हुए कहा कि नीतीश कुमार को लालू प्रसाद कितना कूटवाए (पिटवाए) थे याद है न? गरौल में लालू प्रसाद यादव ने गुंडों को भेजकर नीतीश कुमार को पीटवाने का काम किया था, यह वह भूल गए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लव–कुश (कुर्मी–कोइरी) समाज ने नीतीश कुमार को प्रतिष्ठा देकर मुख्यमंत्री बनाया और यह किसी के नहीं हुए। यह किसके हुए लालू प्रसाद के बेटे के... आप जनता के ही नहीं हो पाए, इसलिए अब जनता ही आपको उखाड़ कर फेंक देगी। उन्होंने कहा कि आप लालू प्रसाद को पकड़ लीजिए या राहुल गांधी को... जनता ने मन बना लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि नीतीश कुमार को देने की हैसियत नहीं, उन्हें तो लव–कुश के लोगों ने सीएम बनवाया, वे क्या देंगे। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि नीतीश और लालू बिहार में जातीय जनगणना के जरिए बैकवर्ड–फॉरवर्ड करना चाहते हैं। नीतीश कुमार मेरे पिता जी से 20 साल छोटे हैं। मेरे पिता जब देश की सेना में थे तब नीतीश कुमार हाफ पैंट पहनते होंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी के पिता की चर्चा करते हुए।

फ्रांस में शिक्षा के अवसरों पर सेमिनार आयोजित

एजेन्सी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट ऑफिस (जनरल) द्वारा फ्रांस दूतावास, नई दिल्ली के अंतर्गत कार्यरत दुनिया भर में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसीसी सरकार के विदेश मंत्रालय और उच्च शिक्षा और अनुसंधान मंत्रालय के तहत काम करने वाली एजेंसी, कैंपस फ्रांस के सहयोग से यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'फ्रांस में शिक्षा के अवसर' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

कर्नाटक के भाजपा विधायक भूख हड़ताल पर, निर्वाचन क्षेत्र के लिए धन की मांग

एजेन्सी

बेंगलुरु। कर्नाटक के भाजपा विधायक मुनिरत्न नायडू अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए धन जारी करने की मांग को लेकर बुधवार को भूख हड़ताल पर बैठ गए। वह बेंगलुरु के विधान सौधा में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने बैठे और अपने राजा राजेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र के लिए धन जारी करने की मांग की। पूर्व मंत्री के साथ उनके सहयोगी भी थे जो भाजपा का झंडा और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और उनके भाई सांसद डी.के. सुरेश के खिलाफ तख्तियां लिए हुए थे। हालांकि, पुलिस ने मुनिरत्ना के साथ बैठे 10 से ज्यादा साथियों को हिरासत में ले लिया। विधायक मुनिरत्ना अकेले ही अनशन और धरना देते रहे। विधायक ने आरोप लगाया है कि उपमुख्यमंत्री शिवकुमार उनके खिलाफ व्यक्तिगत प्रतिशोध की भावना से काम कर रहे हैं। तत्कालीन सीएम बसवराज बोम्मई के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के दौरान उनके निर्वाचन क्षेत्र के लिए दी गई 126 करोड़ रुपये की धनराशि कांग्रेस सरकार द्वारा विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित की गई थी। मुनिरत्ना ने मांग की थी कि आवंटित धनराशि उनके निर्वाचन क्षेत्र को दी जानी चाहिए और अपने निर्वाचन क्षेत्र के साथ हुए अन्याय के विरोध में वह कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक दिवसीय भूख हड़ताल कर रहे हैं। भाजपा विधायक ने कहा था कि यह धनराशि बेंगलुरु के यशवंतपुर, बयातारायणपुरा और पुलकेशीनगर निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित की गई थी।

इससे पहले, उन्होंने कहा था कि वह फंड पाने के लिए शिवकुमार, जिनके पास बेंगलुरु विकास मंत्रालय भी है, के पैर पकड़ने में संकोच नहीं करेंगे। शिवकुमार और उनके भाई सुरेश ने विधानसभा चुनाव में राजा राजेश्वरी नगर निर्वाचन क्षेत्र जीतने के लिए अपना पूरा प्रयास किया था। हालांकि, कांग्रेस उम्मीदवार एच. कुसुमा 11,842 वोटों से हार गईं। चुनाव में मुनिरत्ना को 1.27 लाख वोट मिले थे।

आज उत्तराखंड दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी, 4200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

एजेन्सी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को उत्तराखंड के एक दिवसीय दौरे के तहत पार्वती कुंड एवं जागेश्वर धाम में पूजा–अर्चना करेंगे तथा पिथौरागढ़ में लगभग 4,200 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में बताया कि मोदी सुबह करीब साढ़े आठ बजे पिथौरागढ़ जिले के जोलिंगकोंग पहुंचेंगे, जहां वह पार्वती कुंड में पूजा–अर्चना करेंगे। इसने कहा कि प्रधानमंत्री इस स्थान पर पवित्र आदि–कैलाश का भी आशीर्वाद लेंगे जो अपने आध्यात्मिक महत्व और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है। प्रधानमंत्री सुबह करीब साढ़े नौ बजे पिथौरागढ़ जिले के गुंजी गांव पहुंचेंगे, जहां वह स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगे तथा स्थानीय कला और उत्पादों की एक प्रदर्शनी भी देखेंगे। बयान के अनुसार, वह सेना, भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के कर्मियों के साथ भी बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री दोपहर करीब 12 बजे अल्मोड़ा जिले के जागेश्वर पहुंचेंगे, जहां वह जागेश्वर धाम में पूजा और दर्शन करेंगे। लगभग 6,200 फुट की ऊंचाई पर स्थित जागेश्वर धाम में लगभग 224 पत्थर के मंदिर हैं।बयान में बताया गया कि इसके बाद प्रधानमंत्री अपराह्न करीब ढाई बजे पिथौरागढ़ पहुंचेंगे, जहां वे ग्रामीण विकास, सड़क, बिजली, सिंचाई, पेयजल, बागवानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों से जुड़ी लगभग 4,200 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री जिन परियोजनाओं का उद्घाटन और लोकार्पण करेंगे, उनमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित 76 ग्रामीण सड़कें एवं 25 पुल, नौ जिलों में बीडीओ (खंड विकास अधिकारी) कार्यालयों के 15 भवन और केंद्रीय सड़क निधि के तहत निर्मित तीन सड़कों का उन्नयन शामिल है। जिन परियोजनाओं का शिलान्यास किया जाएगा, उनमें 21,398 पॉली–हाउस के निर्माण की योजना शामिल है।

राष्ट्रीय वन्य जीव सप्ताह कार्यक्रमों का समापन

एजेन्सी

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वन्यजीव विज्ञान विभाग में आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह कार्यक्रम सम्मान और प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर वन्यजीव प्रश्नोत्तरी और पोस्टर–मेकिंग प्रतियोगिता और वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अपने सम्बोधन में, मुख्य अतिथि, प्रोफेसर अब्दुल अलीम, डीन, छात्र कल्याण, ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह हमारे ग्रह को सुशोभित करने वाले अविश्वसनीय वन्य जीवन के संरक्षण के लिए हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है और यह उन लोगों के अथक प्रयासों को भी मान्यता देता है जिन्होंने वन्यजीव संरक्षण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है।

सम्पादकीय

नींद मगर आती नहीं

दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स की एक शोध रिपोर्ट बताती है कि देश के करोड़ों लोगों को नींद न आने की बीमारी है। रिसर्च के अनुसार, करीब दस करोड़ लोग स्लीप एपनिया नामक बीमारी से ग्रस्त हैं। चिंता की बात यह कि कम उम्र के लोग भी इसकी चपेट में हैं। जिसका समय रहते इलाज न होने पर कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। दरअसल, इस बीमारी में नींद के दौरान ठीक से सांस नहीं आने से व्यक्ति खर्राटे लेने लगता है। जिसकी वजह से बार–बार नींद टूटती है और व्यक्ति गहरी नींद से वंचित हो जाता है। विडंबना है कि देश की ग्यारह फीसदी आबादी इस समस्या की चपेट में है। दरअसल, बीते दो दशक में छह शोधों के जरिये एम्स के चिकित्सकों ने ये आंकड़े जुटाए हैं। जो बताते हैं कि महिलाओं के मुकाबले पुरुषों में ये मामले ज्यादा पाये गये हैं। करीब पांच करोड़ लोगों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की बीमारी के गंभीर लक्षण पाये गये हैं। जिसके चलते वे गहरी नींद के सुख से वंचित हैं। जाहिर है इससे उनके शरीर में ऊर्जा के स्तर में गिरावट आती है और उनकी कार्य क्षमता प्रभावित होती है। इतना ही नहीं, इस समस्या के कारण अन्य रोग बोनस के रूप में मिल रहे हैं, जिनमें हृदय से जुड़ी बीमारिया, मधुमेह व मोटापा भी शामिल हैं। दरअसल, रिसर्च जर्नल ऑफ स्लीप मेडिसन में प्रकाशित यह शोध हमारी चिंता बढ़ाने वाला है। जो बताता है कि महिलाओं व पुरुषों में मोटापा बढ़ने का एक कारण यह भी है। इतना ही नहीं, नींद पूरी न हो पाने के कारण कई लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है। जो मेटाबॉलिक डिजीज होने का कारक भी बनता है। विडंबना यह है कि बड़ी संख्या में लोगों को इस बात का अहसास भी नहीं होता है कि वे इस गंभीर समस्या से पीड़ित हैं और इसका इलाज भी किया जाना चाहिए। शोध रिपोर्ट में इस समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने की जरूरत पर बल दिया गया है। यह भी रेखांकित करने की जरूरत है कि किन लोगों को इससे ज्यादा खतरा हो सकता है। शोधकर्ताओं का मानना है कि आमतौर पर बुजुर्ग लोगों को ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की बीमारी से ज्यादा खतरा होता है।

वहीं मोटापे से पीड़ित लोगों में भी इस बीमारी का खतरा अधिक होता है। जिससे बचाव के लिये आवश्यक है कि इस बीमारी के लक्षण दिखने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श किया जाए। चिकित्सक बताते हैं कि इस बीमारी के प्राथमिक लक्षणों में सांस लेने में परेशानी होना व रात में खर्राटे आना भी शामिल है। जिसकी अनदेखी कई अन्य बीमारियों को जन्म दे सकती है। ऐसा नहीं है कि यह समस्या केवल भारत तक सीमित है, पूरी दुनिया में इसके करोड़ों मामले प्रकाश में आ रहे हैं। जिसे चिकित्सक गंभीर चिकित्सकीय स्थिति मानते हैं। जिसमें सांस लेने में दिक्कत की वजह से शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है। जो हमारी नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। समस्या कालांतर उच्च रक्तचाप, हृदय विकार का कारक बनती है। आम तौर पर माना जाता है कि स्वस्थ मनुष्य के लिये एक दिन–रात में सात घंटे की नींद पर्याप्त होती है। जिसके पूरी न होने पर कहा जाता है कि व्यक्ति कच्ची नींद में उठ गया। इसके अलावा व्यक्ति की नींद में खलल पड़ने के मौजूदा कारणों में हमारे स्क्रीन टाइम का बढ़ना और लंबे समय तक सोशल मीडिया में फंसे रहना भी है। वहीं स्लीप डिसऑर्डर के तमाम कारण अन्य भी गिनाये जाते हैं। जिसकी वजह से कोई क्रॉनिक बीमारी न होने के बावजूद व्यक्ति की सोते–सोते सांसें थम जाती हैं। यही वजह है कि अच्छे स्वास्थ्य के लिये साउंड स्लीप की वकालत की जाती है। जिसके लिये व्यक्ति को सोने से पहले बढ़ती प्रतियोगिता, आर्थिक चिंताओं व तनाव से मुक्त होने की सलाह दी जाती है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य व ऊर्जावान शरीर के लिये गहरी नींद अनिवार्य ही है। गहरी नींद के लिये योग व प्राणायाम हमारी सांस की गुणवत्ता बढ़ाने में कारगर साबित होते हैं।

महिला श्रम की सराहना है गोल्डिन को नोबेल

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री क्लाउडिया गोल्डिन को अर्थशास्त्र का प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार मिलना एक तरह से दुनिया की आधी आबादी के नजरंदाज कर दिये गये श्रम को सराहना व पुरस्कृत करना है। अमेरिका की गोल्डिन की विश्व भर में आर्थिक इतिहासकार व श्रम अर्थशास्त्री के रूप में बहुत प्रतिष्ठा है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय की प्रोफेसर गोल्डिन ने पिछली लगभग दो सदियों के आंकड़ों के अध्ययन के आधार पर उन कारणों का पता किया है जिनके चलते श्रम के मामले में महिलाएं पक्षपात का शिकार बनी हैं। उन्होंने बतलाया है कि विभिन्न कारणों से महिलाओं को पुरुषों के मुकाबले कम पारिश्रमिक मिलता है। वैश्विक श्रम बाजार में महिलाओं का प्रतिनिधित्व चिंताजनक रूप से अल्प है। उनका अध्ययन यह भी बतलाता है कि कमाई और रोजगार दरों में लिंग अंतर कैसे और क्यों बदलता चला गया है। अल्फ्रेड नोबेल की स्मृति में दिया जाने वाला यह पुरस्कार अब तक 92 अर्थशास्त्रियों को मिला है। गोल्डिन के पहले तक केवल दो महिलाएं ही यह पुरस्कार पा सकी हैं। प्रिंसटन यूनिवर्सिटी प्रेस ने उनके बारे में कहा है कि–आर्थिक इतिहासकार और श्रम अर्थशास्त्री के रूप में गोल्डिन के शोध में महिला श्रम शक्ति, कमाई में जेंडर गैप, तकनीकी परिवर्तन, शिक्षा और आव्रजन सहित अनेक महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। उनके अधिकांश शोध अतीत के दृष्टिकोण से वर्तमान की व्याख्या करते हैं और चिंता के वर्तमान मुद्दों की उत्पत्ति की पड़ताल करते हैं। उनकी सबसे हालिया पुस्तक कैरियर एंड फैमिलीरू महिलाओं की शताब्दी समानता की ओर लंबी यात्रा है। नोबेल समिति ने पुरस्कार की घोषणा के दौरान कहा कि– श्गोल्डिन ने अपने शोध से सदियों से महिलाओं की कमाई और श्रम बाजार के परिणामों का पहला व्यापक विवरण प्रदान किया है। उनके शोध से नए पैटर्न का पता चलता है, परिवर्तन के कारणों की पहचान होती है और जेंडर गैप के बारे में भी जानकारी मिलती है।

बेशक, गोल्डिन महिला श्रम के बारे में 200 वर्षों के डेटा के आधार पर जो सच्चाइयां अपने निष्कर्षों के रूप में सामने लाई हैं, वे और भी कई सदियां पुरानी हैं और आज भी नंगी आंखों से देखकर ही यकीन करने के काबिल हैं। आधुनिकता और समानता पर आधारित लोकतांत्रिक प्रणाली ज्यादातर देशों में चलन में आ जाने के बावजूद आज भी यह एक ठोस वास्तविकता है कि महिलाएं श्रम और मेहनताने दोनों ही मामलों में भारी भेदभाव की शिकार हैं। प्रकारांतर से चाहे अविकसित देश हों या विकासशील या विकसित, तीनों ही तरह की परिस्थितियां किसी न किसी तरीके से उन्हें उनके हक का पारिश्रमिक लेने से वंचित करती हैं। जब वे काम करती हैं तो इस भेदभाव का शिकार तो होती ही हैं, काम न मिलने या छूट जाने जैसी स्थितियों में भी उनके हिस्से में पुरुषों के मुकाबले अधिक दुश्वारियां आती हैं। काम देते वक्त वे नियोक्ता की आखिरी पसंद होती हैं तो काम के दौरान वेतन, भत्ते, छुट्टी के मामलों में उनके साथ गैरबराबरी पूर्ण व्यवहार होता है। इतना ही नहीं, काम से हटाने या छंटनी के समय वे पहली पसंद बन जाती हैं। भारत सहित तीसरी दुनिया कहे जाने वाले देशों– एशिया, अफ्रीका एवं लातिनी अमेरिका में गोल्डिन के निष्कर्ष बहुत मुखर और स्पष्ट होकर सामने आते हैं। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की बेरोजगारी दर कहीं अधिक है। उन्हें पहले से ही अर्द्ध कुशल या अकुशल मानकर उन्हें समान काम के लिये भी कम वेतन दिया जाता है। भारत सहित जहां भी पितृसत्तात्मक व सामंती सामाजिक व्यवस्था है, वहां कामकाजी महिलाएं उपहास व आलोचना की पात्र बनकर रह जाती हैं। बड़ी संख्या में पढ़ी–लिखी महिलाओं का जीवन घरू काम करते हुए गुजर जाता है। पहले से ही माना जाता है कि उनके जीवन की सार्थकता ब्याह के बाद पति व ससुराल वालों की सेवा–टहल और बच्चों की परवरिश करने में हैं। यह किसी एक धर्म की बात नहीं है। अधिकतर सम्प्रदायों व समुदायों की महिलाओं के बाबत यही यथार्थ है। बड़ी संख्या में लोगों की यह भी मान्यता है कि महिलाएं मौज–मस्ती या अपने फैशन के खर्चे पूरे करने के लिये काम करने घरों से निकलती हैं।

हाल ही में भारत के सन्दर्भ में ये आंकड़े सामने आये थे कि 2018–19 से 2022–23 के बीच जितने लोगों ने नियमित नौकरियां खोईं, उनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानॉमी की इस अवधि की रिपोर्ट के अनुसार 31 लाख लोगों ने पक्की नौकरियां खोई हैं। इनमें पुरुष 5 लाख तो महिलाएं 26 लाख हैं। ऐसे ही, छोटे कारोबार एवं दैनिक वेतन पर काम करने वालों में 1.35 करोड़ रोजगार घटे हैं। इनमें 52 लाख महिलाएं तथा 83 लाख पुरुष थे। कामकाजी महिलाओं का औसत बेहद चिंतनीय है और उनके सशक्तिकरण के ठोस उपाय करने में ज्यादातर अविकसित व विकासशील देशों की कोई भी अर्थप्रणाली नाकाम साबित हुई है। पश्चिमी देशों में स्थिति फिर भी काफी ठीक है लेकिन वैश्विक जनसंख्या का बड़ा हिस्सा तीसरी दुनिया में बसता है, महिलाओं के सन्दर्भ में गोल्डिन के शोध बहुत महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

जब तक आधी आबादी के लिये आर्थिक दृष्टिकोण से समानतापूर्ण वातावरण नहीं बनाया जाता, विकास का लक्ष्य पहुंच से बाहर ही रहेगा। आर्थिक विज्ञान पुरस्कार समिति के प्रेसिडेंट जैकब स्वेन्सन ने सच ही कहा है कि– श्श्रम बाजार में महिलाओं की भूमिका को समझना समाज के लिए महत्वपूर्ण है। गोल्डिन के शोध से वे बाधाओं को दूर हो सकेंगी जिनका आज महिलाएं सामना कर रही हैं।श गोल्डिन को नोबेल देना विकास में भागीदारी निभाती महिलाओं को पुरस्कृत करने जैसा है।

जातिगत जनगणना व गरीबी

लोकतन्त्र की पहली शर्त यह होती है कि इस प्रणाली में प्रत्येक नागरिक का आत्मसम्मान व गरिमा को सत्ता सुरक्षित रखते हुए उसे सरकार में भागीदारी देती है। यह कार्य एक वोट के संवैधानिक अधिकार के बल पर सामान्य नागरिक करता है। अतः इस व्यवस्था में गरीब से गरीब नागरिक सत्ता की दया का पात्र नहीं बल्कि 'हक' का अधिकारी होता है। इसी वजह से प्रजातन्त्र को लोगों द्वारा लोगों की बनाई लोगों के लिए 'सरकार' कहा जाता है। भारतीय संविधान में जिस 'लोक कल्याणकारी राज' को स्थापित करने की बात कही गई है उसके मूल में यही सिद्धान्त काम करता है जिससे अन्तिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी अपना वाजिब हक पा सके। परन्तु हर देश की सामाजिक संरचना एक समान नहीं होती और अमीरी–गरीबी के अलग–अलग कारण हो सकते हैं। किसी देश में नस्ल भेद के नाम पर किसी एक वर्ग के लोगों को दबा कर रखा जा सकता है और किसी दूसरे देश में जातीय (ट्राइब) के आधार पर या मजहब को आधार बना कर देशों में धार्मिक आस्था के नाम पर। मगर भारतीय उपमहाद्वीप में हमें इसका कारण जन्म के जातिगत आधार पर देखने को मिलता है।

यदि हम इतिहास में जाएं और ईसा पूर्व के वैदिक व पूर्व वैदिक कालों को खंगालें तो हमें जातियों के स्थान पर 'जीवन दर्शन' मिलते हैं जिन्हें भिन्न संस्कृतियों में बांटा जा सकता है। कालान्तर में जाति व्यवस्था की उत्पत्ति भारत–भूमि में हुए सांस्कृतिक द्वन्दों का ही परिणाम कहा जा सकता है जिसने भारत के सामाजिक व राजनैतिक तन्त्र को प्रभावित करते हुए अर्थव्यवस्था के अंगों को अपने कब्जे में लिया। अतः जाति आधारित व्यवसाय के उपजने से समाज में अमीरी व गरीबी का बंटवारा हुआ होगा। बाद में जब भारत के रहने वालों को हिन्दू कहा जाना लगा तो उनके भीतर जाति व्यवस्था ने जड़ें जमा लीं और पूरी सामाजिक संरचना को अपने कब्जे में ले लिया। अतः जातिगत आधार पर जनगणना कराने की जो कसम देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अपनी कार्यकारिणी की बैठक में खाई है, उसके परिणाम लोकतन्त्र के चुनावी तन्त्र में न हों, ऐसा नहीं माना जा सकता। इसके परिणाम केवल राजनैतिक होंगे ऐसा भी नहीं कहा जा सकता क्योंकि इसका सम्बन्ध अन्त में जाकर आर्थिक संरचना पर पड़ेगा। अर्थात हिन्दू समाज की गरीब जातियों के आर्थिक सशक्तीकरण का रास्ता निकलेगा। परन्तु इसकी प्रमुख विरोधी किन्तु केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा का मुख्य वैचारिक केन्द्र अपने 1951 में हुए 'जनसंघ' रूप में हुए जन्म से ही हिन्दू समाज की समन्वित एकता रहा है। अतः कांग्रेस का जातिगत जनगणना का विचार भाजपा के सिद्धान्त के धुर विरोधी लगता है। यही वजह है कि भाजपा ने इसे हिन्दू समाज की एकता को भंग करने वाला बताया है और प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक सभा के मंच से घोषित किया कि वह केवल अमीर और गरीब जाति को ही मानते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि समाज में दो प्रकार के लोग ही होते हैं अमीर या गरीब। परन्तु भारत के लोककल्याणकारी राज के स्वप्न के कारण इसका विस्तार भारतीय समाज के सभी धर्मों व मान्यताओं को मानने वाले लोगों में हो जाता है। यदि मुस्लिम समाज को ही लें तो इसमें अमीरों और गरीबों के बीच बहुत बड़ा फासला है। इसी प्रकार अन्य धर्मों के अनुयाइयों के बीच भी हमें यह देखने को मिलेगा। मगर इसके साथ ही भारत के आजाद होने पर अनुसूचित जातियों व जन जातियों को आरक्षण प्रदान किया गया। मगर इसकी वजह हिन्दू समाज में इन जातियों के लोगों के साथ सदियों से किया जा रहा जानवरों जैसा व्यवहार था। हिन्दू समाज का अंग होते हुए भी अनुसूचित जाति के लोगों के साथ उनकी जन्म गत जाति के कारण कथित ऊंची जाति के लोग उनके साथ दुर्व्यवहार करते थे और उन्हें 'अछूत' तक कहते थे। इसके साथ ही मुस्लिम समाज में भी अरब में इसके उदगम काल से ही तीन जातियों के लोग 'अशरफ, अजलाफ और अरजाल' जातियों के लोग माने जाते थे। पसमान्दा मुस्लिम समाज का देशभर में आन्दोलन चलाने वाले नेता श्री अली अनवर के अनुसार इनमें अजलाफ सबसे नीचे पायदान पर रख कर देखे जाने वाले लोग होते हैं जिनकी तुलना हिन्दू समाज के अनुसूचित जाति के लोगों से की जा सकती है। अली अनवर काफी लम्बे समय तक राज्यसभा के सदस्य भी रहे हैं। वह मांग करते रहते हैं कि मुस्लिम समाज की 'अजलाफ' जातियों के लोगों को भी आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही वह 'पसमान्दा' मुसलमानों की बात भी करते हैं। असल में पसमान्दा का अर्थ 'पीछे छूटे हुए लोग' होता है। यह कड़ी जाकर हिन्दू समाज के पिछड़े वर्ग की जातियों से जाकर जुड़ती है। अतः पसमान्दा हिन्दू समाज में भी हैं और मुस्लिम समाज में भी।

वैसे वर्तमान पिछड़े समाज में कुछ मुसलमानों की जातियां भी आती हैं। अतः पिछड़े समाज का धर्म से कोई लेना–देना नहीं है। यह हर धार्मिक वर्ग में हो सकता है और कुल मिलाकर एक पृथक सामाजिक समूह कहलाया जा सकता है। कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी जब पिछड़े समाज की बात करते हैं तो उन्हें इन तथ्यों को भी ध्यान में रखना होगा। कांग्रेस कार्य समिति ने यह भी कहा है कि यदि वह सत्ता में आयी तो आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा को समाप्त कर देगी और सामाजिक आबादी के हिसाब से हर वर्ग की सत्ता में भागीदारी तय करेगी। जबकि भाजपा का कहना है कि वह गरीबों के हिसाब से भागीदारी तय करने के पक्ष में है। इसका अर्थ आर्थिक आधार निकलता है।

फैजल की बहाली का मुद्दा

आदित्य नारायण

लोकसभा की सदस्यता से राहुल गांधी और राकांपा नेता और लक्षद्वीप से लोकसभा सांसद मोहम्मद फैजल को अयोग्य करार दिए जाने और फिर उनकी संसद सदस्यता बहाल होने से जनप्रतिनिधित्व कानून के प्रावधान चर्चा में आ चुके हैं और साथ ही इस संबंध में अदालतों की प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में है। वैसे तो 1988 से अब तक 42 सांसद सदस्यता गंवा चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा सदस्य 14वीं लोकसभा में अयोग्य करार दिए गए थे। प्रश्न पूछने के बदले धन लेने के मामले और क्रॉस वोटिंग के संबंध में 19 सांसदों को अयोग्य करार दिया गया। राजनीतिक पाला बदलने, सांसद के तौर पर अशोभनीय आचरण करने तथा दो साल या उससे अधिक की जेल की सजा के अपराधों के लिए अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने समेत विभिन्न आधारों पर अयोग्य करार दिया गया है। वर्ष 1985 में दल–बदल विरोधी कानून लागू होने के बाद लोकसभा की सदस्यता से सबसे पहले कांग्रेस के लालदूहोमा को अयोग्य करार दिया गया था। जिन्होंने मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए मिजो नैशनल यूनियन के उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था।

इस पार्टी का गठन भी उन्होंने ही किया था। हालांकि दल–बदल घविरोधी कानून और लाभ के पद सम्भालने के मामले में भी कई सांसद राज्यसभा की सदस्यता गंवा चुके हैं। कई तरह के घटनाक्रमों के बीच सबसे अधिक रोचक मामला राकांपा सांसद मोहम्मद फैजल का रहा। उन्होंने एक साल में दो बार सांसद पद से अयोग्य होने का रिकार्ड भी बनाया। लक्षद्वीप से दोबारा अयोग्य ठहराए गए सांसद मोहम्मद फैजल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च अदालत ने फैजल की सदस्यता बरकरार रखते हुए उनकी दोषसिद्धि पर मोहर लगाने वाले केरल हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। इस फैसले के बाद फैजल की संसद सदस्यता फिर से बहाल हो सकती है। फैजल एवं अन्य लोगों पर पी. सालेह की हत्या के प्रयास के आरोप में कावारत्ती सत्र न्यायालय से दस वर्षों की सजा मिली थी। लोकसभा सध्विवालय ने भी तीन अक्तूबर को केरल हाईकोर्ट से जारी आदेश के आधार पर लोकसभा सदस्यता के अयोग्य ठहराए जाने का फरमान दिया था। लोकसभा सचिवालय के मुताबिक फैजल की अयोग्यता उनको सजा सुनाए जाने के समय 11 जनवरी, 2023 से ही प्रभावी हो गई थी। पहली बार फैजल को इस फैसले के दो दिन बाद ही 13 जनवरी को उनकी अयोग्यता का पत्र जारी कर दिया गया था। निर्वाचन आयोग ने 19 जनवरी को लक्षद्वीप में उपचुनाव का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया था। इसी बीच केरल हाईकोर्ट ने 25 जनवरी को उनकी सजा पर रोक लगा दी थी। इसके फौरन बाद राकांपा यानी एनसीपी नेता मोहम्मद फैजल की लोकसभा सदस्यता बहाल करने को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। एक वकील ने यह याचिका दायर कर कहा कि क्या एक अभियुक्त की दोषसिद्धि पर अदालत लोकसभा सदस्य की अयोग्यता को रद्द कर उसे फिर बहाल किया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने 29 मार्च को राकांपा नेता और लक्षद्वीप सांसद मोहम्मद फैजल की सदस्यता बहाल करने की लोकसभा सचिवालय की अधिसूचना के मद्देनजर संसद सदस्य के तौर पर उनकी अयोग्यता के खिलाफ दायर याचिका का निपटारा कर दिया था। 29 मार्च को लोकसभा सचिवालय द्वारा अधिसूचना को रद्द करने की मांग करते हुए अपनी याचिका में कहा कि यदि एक बार संसद या राज्य विधानमंडल के सदस्य ने संविधान के आर्टिकल 102 और 191 के तहत अपना पद खो दिया है तो ऐसे में अदालत द्वारा उसे जब तक आरोपों से बरी नहीं किया जाता तब तक उस व्यक्ति को अयोग्य ही घोषित किया जाएगा। याचिका में उन्होंने कहा कि कृपया इस मुद्दे का फैसला करें कि क्या किसी अभियुक्त की दोषसिद्धि को अपील की अदालत द्वारा रोका जा सकता है? अगर हां तो क्या दोषसिद्धि पर रोक के आधार पर ऐसा व्यक्ति जिसे अयोग्यता का सामना करना पड़ा है, संसद के सदस्य के रूप में दोबारा योग्य हो जाएगा? सुप्रीम कोर्ट द्वारा फैजल की सदस्यता बरकरार रखे जाने के बाद पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। यह कैसी कवायद है कि सदस्यता खोने पर एक सांसद की घ्शख्सियत बदल जाती है और सदस्यता बहाल होने पर शख्सियत और हो जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी मामले में टिप्पणी की थी कि मानहानि मामले में निचली अदालतों को अधिकतम सजा सुनाते वक्त ध्यान रखना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा था कि अधिकतम सजा क्यों दी गई? इस संबंध में निचली अदालत ने अपने आदेश में यह साफ नहीं किया। सर्वोच्च अदालत का यह भी मानना था कि सजा देते वक्त यह भी ध्यान में रखना होगा कि किसी भी निर्वाचन क्षेत्र को एकदम से 'शून्य' घोषित नहीं किया जाना चाहिए। इस मामले में मेरी व्यक्तिगत राय है कि लोकसभा सचिवालय को भी अंतिम निर्णय आने तक या सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई से पहले तक सांसदों की सदस्यता रद्द करने संबंधी अधिसूचना जारी करने में संयम बरतना चाहिए और निचली अदालतों द्वारा दी गई सजा के सभी कानूनी पहलुओं को अच्छी तरह से तस्दीक कर लेना चाहिए, ताकि पूरी प्रक्रिया हास्यास्पद न बन जाए।

क्या चुनावी रेवड़ियां बनेंगी सत्ता में वापसी की चाभी?

गहलोत जहां अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर सत्ता में वापसी का दम भर रहे हैं, तो वहीं भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, पेपरलीक, तुष्टिकरण जैसे मुद्दों को आधार बना रही है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई में आपसी प्रतिद्वंद्वता के चलते चुनाव नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है। रोचक बात यह है कि राजस्थान से कांग्रेस का गांधी परिवार नदारद है। चुनाव गहलोत बनाम मोदी का बन गया है। पिछली बार कांग्रेस को सत्ता तक लाने वाले सचिन पायलट मौन हैं तो भाजपा की स्टार नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को पार्टी में दरकिनार कर दिया गया है। राजस्थान में पिछले तीन दशक से हर पांच साल पर सत्ता बदलती आ रही है। 3 दिसंबर को पता चलेगा कि रिवाज बदलेगा या नहीं। मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी की कांग्रेस से चंद सीटें कम रह गई थीं।

विनोद पाठक

लोकसभा चुनाव का सेमीफाइनल कहे जाने वाले राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान हो गया है। हिंदी पट्टी के राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच ही होना है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। साढ़े नौ साल से केंद्र की सत्ता में रहने के बाद नरेंद्र मोदी के लिए यह चुनाव लिटमस टेस्ट से कम नहीं होगा। यह चुनाव इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि सभी राज्यों में सरकारों ने लोक लुभावन घोषणाएं करने के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इन चुनावों में फ्रीबीज या चुनावी रेवड़ियों की भी परीक्षा होने वाली है। विपक्ष के जातीय जनगणना के दांव पर जनता का रुख भी इन चुनावों में पता चलने वाला है। राज्यवार बात करें तो राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले पांच साल से अपनी कुर्सी को बचाते आ रहे हैं। पांच साल में कई ऐसे अवसर आए, जब लगा कि गहलोत की सरकार गिर जाएगी। वर्ष 2020 में ठीक कोरोना के बीच कांग्रेस में बगावत हो गई थी। राजनीति के जादूगर अशोक गहलोत की सूझबूझ से सरकार बच तो गई, लेकिन मुख्यमंत्री निर्दलीय विधायकों पर आश्रित होकर रह गए। उसी का नतीजा था कि मुख्यमंत्री गर्वनेंस से ज्यादा विधायकों को खुश करने में जुटे रहे। चुनाव से ठीक छह महीने पहले गहलोत ने लोकलुभावन घोषणाओं की झड़ी लगा दी। बिजली बिल माफी से लेकर मुफ्त मोबाइल बांटने तक शायद ही कोई सेक्टर होगा, जिसके लिए गहलोत ने घोषणा न की हो। 33 से बढ़ाकर 53 जिले तक कर दिए गए। जाति के आधार पर बोर्ड बना दिए गए। गहलोत जहां अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के दम पर सत्ता में वापसी का दम भर रहे हैं, तो वहीं भारतीय जनता पार्टी भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, पेपरलीक, तुष्टिकरण जैसे मुद्दों को आधार बना रही है। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई में आपसी प्रतिद्वंद्वता के चलते चुनाव नरेंद्र मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है। रोचक बात यह है कि राजस्थान से कांग्रेस का गांधी परिवार नदारद है। चुनाव गहलोत बनाम मोदी का बन गया है। पिछली बार कांग्रेस को सत्ता तक लाने वाले सचिन पायलट मौन हैं तो भाजपा की स्टार नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को पार्टी में दरकिनार कर दिया गया है। राजस्थान में पिछले तीन दशक से हर पांच साल पर सत्ता बदलती आ रही है। 3 दिसंबर को पता चलेगा कि रिवाज बदलेगा या नहीं। मध्य प्रदेश में वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी की कांग्रेस से चंद सीटें कम रह गई थीं। कांग्रेस ने युवा ज्योतिरादित्य सिंधिया की जगह अनुभवी कमलनाथ को सत्ता की बागडोर सौंप दी थी, लेकिन सिंधिया की बगावत के चलते भारतीय जनता पार्टी पुनः सत्ता में आई। शिवराज सिंह चौहान फिर मुख्यमंत्री बने, लेकिन मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री बदलने के कयास चलते रहे। अभी भले चुनाव शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्री रहते हुए लड़ा जा रहा है, लेकिन यदि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में लौटती है तो उन्हीं को कुर्सी मिलेगी, इसका कोई स्पष्ट संकेत पार्टी की ओर से नजर नहीं आ रहा है। इस बार जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से लेकर कद्दावर कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों को टिकट दिया है तो उससे भी शिवराज सिंह चौहान की बेचैनी बढ़ी है। हालांकि, चौहान भी फ्रीबीज के सहारे सत्ता वापसी की चाभी ढूंढ रहे हैं। कांग्रेस में मुख्य चेहरा कमलनाथ का ही नजर आ रहा है। वह अपने एक साल के कार्यकाल को लेकर जनता को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी मध्य प्रदेश में कांग्रेस की ओर से मोर्चा संभाला हुआ है। पिछले कुछ दिनों में प्रियंका के कई दौरे हुए हैं। सत्ता विरोधी लहर के बीच भाजपा के लिए सत्ता में वापसी उतनी आसान नहीं है, लेकिन कमजोर कांग्रेस किस तरह टक्कर दे पाएगी, यह चुनाव नतीजों से पता चलेगा। छत्तीसगढ़ में 15 साल सत्ता से बाहर रहने के बाद वर्ष 2018 में कांग्रेस को सत्ता हासिल हुई थी। भूपेश बघेल को मुख्यमंत्री बनाया गया। राजस्थान और मध्य प्रदेश के मुकाबले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस बेहद अच्छी स्थिति में है। हालांकि, राज्य में भूपेश बघेल और टी.एस.सिंह देव में कुछ वैसी ही नोकझोंक चलती रही, जैसी राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत में चल रही थी। भूपेश बघेल आलाकमान को साधकर कुर्सी बचाने में सफल तो हुए। सत्ता में पुनः वापसी के लिए भूपेश बघेल ने भी चुनावी रेवड़ियों का सहारा लिया है। अब तक बघेल काफी मजबूत स्थिति में नजर आ रहे हैं, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी के पास कोई मजबूत चेहरा नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह पिछले पांच साल ज्यादा सक्रिय नहीं रहे। यही कारण है कि यहां पर भी भारतीय जनता पार्टी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सहारा है। दक्षिण के राज्य तेलंगाना में के.चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति सत्ता में है। राव दो बार से सत्ता में बने हुए हैं। जिस तरह से वर्ष 2018 में उन्हें बहुमत मिला था तो कहा जा सकता है कि उनकी लोकप्रियता का ग्राफ काफी ऊंचा है। हालांकि, राव भी सरकार विरोधी लहर का सामना कर रहे हैं। उन्हें कांग्रेस के साथ भारतीय जनता पार्टी से भी चुनौती मिल रही है। उपचुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरह से प्रदर्शन किया तो लग रहा है कि वो यहां तीसरी ताकत बन रही है। के. चंद्रशेखर राव ने भी कोई ऐसा अवसर नहीं छोड़ा, जहां उन्होंने मुफ्त की घोषणाएं न की हों। खासकर अल्पसंख्यकों को लेकर उनकी योजनाओं को भारतीय जनता पार्टी ने निशाने पर लिया। तेलंगाना में निश्चित रूप से त्रिकोणीय मुकाबला रहने वाला है। चंद्रशेखर राव की बीआरएस, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी एक–दूसरे से मुकाबला करते नजर आएंगे। मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट की सरकार है और उसने वर्ष 2018 में 40 सीटों वाली विधानसभा में 26 सीटें जीती थीं। यहां पर मुख्य रूप से मुकाबला मिजो नेशनल फ्रंट और जोरम पीपुल्स मूवमेंट के बीच है। राष्ट्रीय पार्टियां यहां अपनी जमीन नहीं तैयार कर सकी हैं। जहां तक तीसरे मोर्चे या अन्य दलों की बात है तो वो अभी कहीं नहीं नजर आ रहे हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आम आदमी पार्टी ने कुछ महीने पहले जोर–शोर से प्रचार किया था, लेकिन उसके प्रचार की गति धीमी पड़ चुकी है। राजस्थान में हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी कुछ सीटों को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, वह भाजपा और कांग्रेस का मुकाबला कर पाएगी, यह मुश्किल लगता है।

पुलिस मुठभेड़ में अंतर्जनपदी लुटेरा गिरफ्तार पैर में लगी गोली

बदमाशों द्वारा चलाई गई गली में एक थाना अध्यक्ष बाल बाल बचे दूसरे के बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी गोली

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। योगी सरकार में अपराधियों की खैर नहीं दिखाई दे रही है सरकार के फरमान के तहत अपराधियों की धर पकड़ के लिए जनपद में पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार की रात संदिग्ध संदिग्ध व्यक्तियों और वाहन चेकिंग के दौरान मुंगराबादशाहपुर, मछलीशहर व बदलापुर की संयुक्त पुलिस टीम के साथ मुठभेड़ में एक अन्तर जनपदीय शातिर लुटेरा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा की गई फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी है इसके कब्जे से एक पिस्टल .32 बोर, दो जिन्दा कारतूस .32 बोर व चार खोखा कारतूस .32 बोर, लूट का 6000/– रु0 नगद , एक मोबाइल व एक पल्सर मोटरसाइकिल बरामद किया है जबकि चार बदमाश मौके से अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए गुरुवार को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे थानाध्यक्ष मुंगराबादशाहपुर राजाराम द्विवेदी द्वारा बुधवार की रात पुलिस टीम के साथ पुलिस चौकी सतहरिया के पास रात्रिगस्त तलाश वाछित अभियुक्त चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति ध वाहन मे मामूर होकर मौजूद रहे की वही पर प्रभारी निरीक्षक थाना बदलापुर मय हमराह व थानाध्यक्ष मछली शहर मय हमराह आ गये सभी लोग आपस मे अपराधियो तथा अपराध के रोकथाम के सम्बन्ध मे बात कर रहे थे कि तभी मुखबिर खास ने सूचना दिया कि दो मोटरसाइकिलो से पाँच बदमाश अपराध करने के उद्देश्य से फतनपुर बाजार से सूरजापुर बाजार होकर मधुपुर के रास्ते होते हुए बीकासराय जाने वाले मार्ग से होकर पवारा होते हुए मछली शहर की तरफ जाने वाले है। इस सूचना पर सभी पुलिस बल अवगत होकर तत्काल प्रस्थान कर बहद ग्राम मधुपुर से होकर बीकासराय जाने वाले मार्ग के पास पहुच कर आड़ लेकर आने वाले वाहन व व्यक्तियो का इंतजार करने लगे कि थोड़ी देर बाद मधुपुर की ओर से दो मोटरसाइकिल आती दिखाई दी जिसे पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया गया तो दोनो मोटरसाइकिलो पर बैठे हुए व्यक्तियो द्वारा पुलिस बल के ऊपर जाने के मारने के उद्देश्य से लक्ष्य करके फायर किया जाने लगा उनके द्वारा चलाई गयी एक गोली थानाध्यक्ष मछलीशहर के पहने हुए बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी तथा एक गोली थानाध्यक्ष मुगराबादशापुर के दाहिने कान के पास से सनसनाती हुई निकली पुलिस बल द्वारा बदमाशो को रोकने हेतु ललकारा गया तो दोनो मोटरसाकिलो पर पीछे बैठे व्यक्तियो द्वारा पुनः फायर किया गया और मोटरसाइकिल सवार भागने लगे कि पीछे चल रही मोटरसाइकिल फिसल कर गिर गयी। गिरी हुई मोटरसाइकिल का चालक असलहा निकाल कर पुलिस बल के ऊपर के लक्ष्य करके फायर करने लगा जिसकी चलाई गयी एक गोली प्रभारी निरीक्षक बदलापुर के पहने हुए बुलेटप्रूफ जैकेट के अगले हिस्से मे पेट के करीब लगी इस बात का पूर्ण विश्वास होने पर कि बदमाश फायर करके जाने से मार देगा इस पर पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ पिस्टल से बदमाश की तरफ एक–एक राउंड फायर किया गया जब बदमाश की तरफ से फायर आना बन्द हुआ तो टार्च की रोशनी व अन्य संसाधनो से आगे बढ़ने पर एक मोटर साइकिल गिरी पड़ी तथा एक बदमाश गिरा पड़ा कराहता दिखाई दिया जिसके दाहिने हाथ मे एक पिस्टल पड़ी हुई थी बदमाश को वही पकड़ लिया गया। बाइक पर पीछे बैठा व्यक्ति तथा दूसरी मोटरसाइकिल पर बैठे तीनो व्यक्ति अंधेरे का लाभ लेकर भागने में सफल हो गये। पकडे गये बदमाश से नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम प्रभाकर सिंह उर्फ आशू पुत्र अनिल सिंह नि0 चमरुपुर नन्दवत थाना फूलपुर जनपद प्रयागराज उम्र 32 वर्ष बताया अभियुक्त के अपराधिक इतिहास के सम्बन्ध मे ज्ञात किये जाने पर उसके विरुद्ध दर्जनो हत्या के प्रयास , चोरी ,लूट व अन्य मुकदमे पंजीकृत होना पाया गया। अभियुक्त प्रभाकर सिंह उर्फ आशू के जीवनरक्षार्थ दृष्टिगत तत्काल इलाज हेतु पुलिस बल के साथ पीएचसी मुंगराबादशाहपुर जौनपुर भेजा गया जहा डाक्टर द्वारा प्राथमिक उपचार के पश्चात बेहतर ईलाज हेतु जिला चिकित्सालय जौनपुर रेफर कर दिया गया जहाँ पुलिस अभिरक्षा मे ईलाज चल रहा है। अभियुक्त को दिनांक–11. 10.2023 को समय करीब 23.50 बजे हिरासत पुलिस में लिया गया तथा मौके पर फील्ड यूनिट जौनपुर द्वारा घटनास्थल पर पहुँच कर साक्ष्य संकलन सामाग्री एकत्रित किया गया। फर्द के आधार पर मु0अ0सं0 309ध्23 धारा 307/11/419 /420 भा0द0वि व मु0अ0स0 310ध्23 धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

'आपराधिक इतिहास–'

1. मु0अ0स0 88/22 धारा 379/411 भा0द0वि0 थाना थरवई कमिश्चरेट प्रयागराज
2. मु0अ0स0 429/20 धारा 506/507 भा0द0वि0 थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज
3. मु0अ0स0 627/19 धारा 323/452/504/506 भा0द0वि0 थाना फूलपुर कमिश्चरेट प्रयागराज
4. मु0अ0स0 254/20 धारा 379/411 भा0द0वि0 थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
5. मु0अ0स0 –16ध्21 धारा 411ध्467ध्468ध्471 भा0द0वि0 थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
6. मु0अ0स0 23ध्23 धारा 25,3,4 आयुध अधिनियम व 34 ध्399ध्402ध्411ध्413 भा0द0वि0 थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
7. मु0अ0स0–180ध्22 धारा 41ध्411ध्413ध्414ध्467ध्468ध्471 भा0द0वि0 थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
8. मु0अ0स0 45ध्21 धारा 3(1) गैंगेस्टर एक्ट थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
9. मु0अ0स0 975ध्18 धारा 379 भा0द0वि0 थाना कोतवाली सिटी जनपद प्रतापगढ़
10. मु0अ0स0 309ध्23 धारा 307ध्411ध्419ध्420 भा0द0वि0 थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
11. मु0अ0स0 110ध्23 धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
12. मु0अ0स0 305ध्23 धारा 392ध्411 भा0द0वि0 थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर
13. मु0अ0स0 256ध्23 धारा 392ध्411 भा0द0वि0 थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर
14. मु0अ0स0 277ध्23 धारा 307 भा0द0वि0 थाना बदलापुर जनपद जौनपुर
15. मु0अ0स0 340ध्23 धारा 307ध्504ध्506 भा0द0वि0 थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज

'गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम–'

1.थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर।
2.उ0नि0 पन्नेलाल यादव थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर।
3 .का 0अजय कुमार राव, का0 जाकिर हुसैन थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर।
3.उ0नि0 यजुवेन्द्र सिंह थानाध्यक्ष थाना मछली शहर जौनपुर
6का0 हरखनाथ यादव,.का0 योगेन्द्र कुमार गुप्ता थाना मछलीशहर जनपद जौनपुर।
7प्र0नि अवनीश कुमार राय थाना बदलापुर जौनपुर
8. अ0 नि0 अरविन्द कुमार चौहान, हे0का0 प्रवीण सिंह, हे0का0 विश्रेश चन्द्र द्विवेदी, का0 शशी चौहान थाना बदलापुर जनपद जौनपुर।

सेठ एम० आर० जयपुरिया स्कूल, गोयल कैंपस में आयोजित हुई इनरिचमेंट ट्रेनिंग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोयल कैंपस के सभागार में सेठ एम० आर० जयपुरिया स्कूल के 12 कैंपस के अध्यापक व अध्यापिकाओं को इस ट्रेनिंग में प्रशिक्षित किया गया। इस प्रशिक्षण में लगभग 60 शिक्षकों को सत्र में आयोजित होने वाले सभी क्रिया–कलापों को विधिवत् समझाया गया।इस ट्रेनिंग में सेठ एम० आर० जयपुरिया पड़ोदरा कैंपस,महमूदाबाद कैंपस,राजाजीपुरम् कैंपस,सलेमपुर कैंपस,बहराइच कैंपस,गोंडा कैंपस,आजाद चौक कैंपस,जी आई डी ए कैंपस,जगदीशपुर कैंपस,गोमतीनगर विस्तार कैंपस,बस्ती कैंपस,खलीलाबाद कैंपस,गोयल कैंपस,भिवाड़ी कैंपस के शिक्षकों को सत्र की सभी शिक्षण गतिविधियों की जानकारी देकर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण में बच्चों की बौद्धिक क्षमता,शारीरिक व मानसिक क्षमता को विकसित करने के तरीके सिखाए गए। साथ ही साथ इस बात भी जोर दिया गया कि बच्चे करके सीखने की प्रक्रिया से पाठ्यक्रम को भली भाँति समझ सकते हैं। बच्चों में सहभागिता कैसे विकसित की जाय इस बात पर भी चर्चा की गई। शिक्षकों द्वारा गतिविधि कराकर प्रशिक्षण को रोचक बनाया गया और दिखाया गया कि छात्र देखकर जल्दी चीजों को समझते हैं। प्रशिक्षण में सतत् विकास लक्ष्य के 17 लक्ष्यों को विधिवत् समझाया गया।

एस के डी अकादमी के बच्चों ने विश्व शांति के लिए विशेष असेंबली करके अपील की

विभिन्न प्लेकार्ड पर स्लोगन लिखकर शांति का सन्देश दिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस के डी अकादमी की सभी शाखाओं में बच्चों की विशेष असेंबली आयोजित की गयी । जिसमें इजराइल व फिलिस्तीन में जो युद्ध चल रहा है जिसकी वजह से कितने मासूम लोगों की जान जा रही है कितने लोग बेघर हो रहे हैं ।

उनके लिए सभी बच्चों ने मिलकर प्रार्थना की व श्रद्धांजलि अर्पित की स साथ ही विश्व शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर अपील की । बच्चों ने भिन्न भिन्न स्लोगन प्लेकार्ड पर लिखकर दर्शाया ष्एकता में शक्ति है। शांति व सम्भाव से ही सबका कल्याण संभव है।

निदेशक मनीष सिंह ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी ऐसे समय में विश्व शांति की अपील करते हैं एवं ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शीघ्रअतिशीघ्र यह युद्ध समाप्त हो व सभी तरह के संघर्ष, विवाद व भय से सब मुक्त हों ।

चित्रगुप्त पूजनोत्सव व शोभायात्रा को लेकर कायस्थ महासभा ने किया बैठक

राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी का माल्यार्पण कर किया गया स्वागत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश सहारा के जौनपुर आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव के नेतृत्व में पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित कैंप कार्यालय पर जिले व प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी द्वारा माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर आगामी दिनों में होने वाली चित्रगुप्त पूजनोत्सव एवं शोभा यात्रा के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया, साथ ही जिला कमेटी को बेहतर ढंग से पूजन संपन्न कराने के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसी क्रम में पूरे देश में कायस्थ महासभा द्वारा ज्यादा से ज्यादा कायस्थ बंधुओं को जोड़ने की मुहिम चलाई जा रही है जिसको लेकर सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है इसकी भी समीक्षा की गई। जिसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव ने आश्वस्त किया कि पूरे प्रदेश में तेजी से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है और सभी कायस्थ को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव प्रदेश सचिव और राकेश श्रीवास्तव साधु प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार पंकज सिन्हा महामंत्री सुरेश अस्थान अजय श्रीवास्तव सहित तमाम चित्रांश उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दिया गया।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। पाली कस्बे में बरगद चौराहे के निकट एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचल दिया। बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, ट्रक चालक मौके से ट्रक लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बृहस्पतिवार दोपहर को रूपापुर की ओर से बाइक पर सवार होकर शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के उधरनपुर निवासी शिवम पुत्र शेरू शाहाबाद की ओर जा रहा था। जैसे ही वह पाली कस्बे के बरगद चौराहे के निकट पहुंचा, तभी शाहाबाद की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया। जिससे शिवम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। ट्रक की टक्कर इतनी भयंकर थी कि शिवम का शव क्षत विक्षत हो गया। मृतक की एक बांह कटकर अलग हो गई एवं सिर भी कुचल गया। सूचना पर पाली थाने के उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह व अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया कि मृतक स्वनिर्मित मिठाई फर्रुखाबाद में सप्लाई करता था। जो कि मिठाई की डिलीवरी देकर फर्रुखाबाद से अपने घर उधरनपुर जा रहा था, तभी पाली कस्बे के बरगद चौराहे के निकट हादसे का शिकार हो गया। फिलहाल इस दर्दनाक घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है।

प्रतियोगिता में चयनित छात्र-छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डायट प्राचार्य डॉक्टर विनोद कुमार शर्मा के निर्देशन में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जौनपुर मे संपन्न जनपद स्तरीय `चमससस इममप्रतियोगिता के अंतर्गत हिंदी भाषा में श्रुतलेख प्रतियोगिता तथा अंग्रेजी भाषा में बवउचसमजम जीम `चमससपदहप्रतियोगिता में चयनित विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया ।जिसमें प्राथमिक स्तर के प्रथम स्थान पर आयुष कुमार राव ,प्राथमिक विद्यालय गूलरा केराकत, द्वितीय स्थान पर श्वेता प्राथमिक विद्यालय कुकूहा द्वितीय करंजाकला ,तृतीय स्थान पर प्रीती मौर्या प्राथमिक विद्यालय बाकराबाद सिरकोनी,उच्च प्राथमिक स्तर के प्रथम स्थान पर साहिल यादव उच्च प्राथमिक विद्यालय राजापुर डेडारपुर रामनगर ,द्वितीय स्थान पर आन्या मिश्रा उच्च प्राथमिक विद्यालय नाभिपुर बदलापुर ,तृतीय स्थान पर अर्पिता पटेल उच्च प्राथमिक विद्यालय इमामशाहपुर मडियाहू एवं कंपोजिट विद्यालय के प्राथमिक स्तर के प्रथम स्थान पर साहिल यादव कंपोजिट विद्यालय इब्राहिमाबाद सिकरारा, द्वितीय स्थान पर अंकित यादव कंपोजिट विद्यालय रानी पट्टी मड़ियाहूं ,तृतीय स्थान पर आदर्श कंपोजिट विद्यालय त्रिलोचन बड़ागांव जलालपुर तथा कंपोजिट विद्यालय के उच्च प्राथमिक स्तर के प्रथम स्थान पर शगुन यादव कंपोजिट विद्यालय मयंदीपुर बक्सा ,द्वितीय स्थान पर रजनीश यादव कंपोजिट विद्यालय गोबरा केराकत, तृतीय स्थान पर आदित्य कुमार कंपोजिट विद्यालय रामपुर खुर्द मछली शहर को डायट प्राचार्य डॉ विनोद कुमार शर्मा जी द्वारा मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया स इस अवसर पर वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ रविंद्र नाथ ,प्रवक्ता डॉक्टर शैलेश कुमार ,मंजू लता यादव , वरुण कुमार यादव,कनिष्ठ सहायक अखिलेश यादव तथा पुरस्कृत/विद्यार्थियों के अभिभावक एवं विद्यालय के प्रधानाध्यापक/अध्यापक आदि उपस्थित रहे ।

16 अक्टूबर से उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम एम्पलाइज एसोसिएशन ने की आंदोलन की घोषणा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम एम्पलाइज एसोसिएशन ने कहा है कि उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड मुख्यालय प्रांगण लखनऊ में 16 अक्टूबर से इंप्लाइज एसोसिएशन द्वारा प्रेषित 11 सूत्रीय मांग पत्र पर निगम प्रबंधन द्वारा अभी तक किसी भी प्रकार का सकारात्मक निर्णय न लिए जाने के कारण आंदोलन करने के लिए बाध्य हो रहा है। उक्त जानकारी देते हुए सभापति राज बहादुर सिंह ने बताया कि 11 सूत्रीय मांग पत्र पर समय अनुसार किसी भी प्रकार का सकारात्मक निर्णय अभी तक न लिए जाने के कारण 16 अक्टूबर से मुख्यालय प्रांगण में कार्यालय दिवस में निगम प्रबंधन के विरुद्ध धरना ध प्रदर्शनध घेराव करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी निगम प्रबंधन की होगी।

शिक्षक एवं शिक्षिकाओ का तीन माह से लम्बित वेतन का भुगतान

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में अन्य जनपदों से लगभग 100 से अधिक स्थानान्तरित प्रधानाचार्यों, शिक्षक एवं शिक्षिकाओ का तीन माह से लम्बित वेतन का भुगतान शिक्षा विभाग के अन्य लेखाधिकारी को कार्यभार सौपकर सुनिश्चित किया जाएगा तथा लेखाधिकारी के विरूद्ध भी आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

उ0प्र0 व्यापारी व्यापार मंडल की पहल पर अमीनाबाद में नयी पार्किग को मंजूरी

अमीनाबाद व्यापार मंडल के प्रयास से अमीनाबाद को मिली नयी पार्किंग की सौगात

व्यापारी हितों के लिये उ0प्र0 व्यापारी व्यापार मंडल सदेव खडा है-अरविंद सोनकर

अमीनाबाद की नयी भूमिगत पार्किंग व्यापारियों के इरादों की जीत-अरूण मिश्रा राष्ट्रीय अध्यक्ष

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ. पिछले रविवार को ही अमीनाबाद व्यापारी व्यापार मंडल की इकाई का गठन हुआ था। जिसके अध्यक्ष अरविन्द सोनकर को चुना गया था। शपथ ग्रहण समारोह में अमीनाबाद क्षेत्र पार्किंग की समस्या का मुद्दा उठाया गया था। व्यापार मंडल की इकाई गठन के तुरन्त बाद अध्यक्ष अरविंद सोनकर ने इस गंभीर समस्या का संज्ञान लेते हुये प्रयास किये। जिसके चलते अमीनाबाद स्थित जनाना पार्क में भूमिगत पार्किंग निर्माण को नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने निर्देश दे दिये। इस आदेश से अमीनाबाद के व्यापारियों में खुशी की लहर दौड़ गयी।

नगर आयुक्त ने जारी की एनओसी–

नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह ने बताया कि पार्किंग की समस्या अमीनाबाद की प्रमुख समस्याओं में से एक है। जनाना पार्क में भूमिगत पार्किंग के निर्माण पर नगर निगम को कोई आपत्ति न होने पर उन्होने एनओसी जारी करने का निर्देश दे दिया है। अब इस पर एलडीए पार्किंग का निर्माण करा सकेगा।

इस अवसर पर उ0प्र0 व्यापारी मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरूण मिश्रा ने बताया कि संगठन निःस्वार्थ भाव से सेवा करता आ रहा है। पहली बार अमीनाबाद के बारह क्षेत्र के बारह अध्यक्ष बनाये गये है ताकि कार्य सुचारू रूप से होते रहे। संगठन सेवा के लिये किसी भी प्रकार का कोई चन्दा या पैसा नही लेता है। राष्ट्रीय स्तर पर संगठन अपने ही बलबूते पर व्यापारियों के हितार्थ कार्य कर रहा है। अमीनाबाद की नयी भूमिगत पार्किंग उ0प्र0 व्यापारी व्यापार मंडल के व्यापारियों के नेक व ठोस इरादों की शुरूआत है।

मुख्तार अंसारी के बेटे उमर को बड़ी राहत

संवाददाता

लखनऊ। मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका के मामले पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने उमर अंसारी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट से मुख्तार अंसारी के बेटे को अग्रिम जमानत मिली है।

हालांकि इससे पहले हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था। लखनऊ की जियामऊ स्थित जमीन को अवैध तरीके से हथियाने के आरोप में उमर अंसारी को अग्रिम जमानत मिल गई है। दरअसल, उमर अंसारी को 13 अप्रैल को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट के इस फैसले को उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। जिसके बाद बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में उमर अंसारी को अग्रिम जमानत दी है। इस मामले में मुख्तार अंसारी के साथ उनके दोनों बेटे उमर अंसारी और अब्बास अंसारी भी आरोपी हैं।

नगर विकास मंत्री ने किया नगरीय निकायों में 'स्वच्छता जनादेश सर्वेक्षण' अभियान का शुभारंभ

निकायों में स्वच्छता के मापदण्ड का किया जाएगा सर्वेक्षण- शर्मा

स्वच्छता जनादेश सर्वेक्षण अभियान की गहन मानीटरिंग के दिये निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के दृढ़ संकल्प को पूरा करने के लिए प्रत्येक देशवासी समर्पित है और केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे स्वच्छता कार्यक्रमों में अपना सहयोग प्रदान कर रहा। प्रदेश सरकार ने स्वच्छता के लिए विगत डेढ़ वर्षों में अनेक अभियान चलाये हैं। सफाई के लिए अभी 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक स्वच्छता सेवा पखवाड़ा चलाया गया। निकायों की साफ–सफाई के लिए सबकी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है।प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने 11 से 22 अक्टूबर तक प्रदेश के नगर निगमों, नगर पालिका और नगर पंचायतों में चलने वाले 'स्वच्छता जनादेश सर्वेक्षण–2023' अभियान का शुभारंभ के अवसर पर यह बात कहीं। उन्होंने आज नगरीय निकाय निदेशालय में स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान की शुरुआत की और सभी पार्षदों से स्वच्छता सर्वेक्षण में शामिल होकर अपने वार्ड की साफ सफाई व व्यवस्थापन की जानकारी देने की अपील की। उन्होंने सभी पार्षदों से आग्रह किया वे अपने वार्ड की साफ–सफाई व्यवस्था का पूर्ववत निरीक्षण भी कर लें। इस सर्वेक्षण अभियान का उद्देश्य निकायों की समस्याओं का समाधान निकालना भी है। उन्होंने निकाय अधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि अभियान के दौरान सभी वार्ड के पार्षदों से मिलकर उनके वार्ड की समस्याओं, स्वच्छ एवं व्यवस्थापन सम्बंधी जानकारी उपलब्ध कराने में सहयोग करें। नगर विकास मंत्री ने कहा कि अभियान के दौरान सभी निकायों के पार्षद अपने वार्ड में स्वच्छता से संबंधित सवालों का जवाब देने के साथ ही अपने सुझाव भी देंगे। मुख्यमंत्री की प्रदेश को पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने की मंशा है, जिसके लिए नगर विकास विभाग लगातार इस दिशा में प्रयास कर रहा है। प्रदेश के निकायों में 11 से 22 अक्टूबर तक 10 दिन चलने वाले इस स्वच्छता जनादेश सर्वेक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के नगरीय निकायों से करीब 14 हजार पार्षद हिस्सा लेंगे। ये पार्षद उनके वार्ड में स्वच्छता को लेकर किए जा रहे कार्यों, स्वच्छता की स्थिति और विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रमों के विषय में अपना सुझाव डिजिटली प्रदान करेंगे।

इसके लिए नगर विकास विभाग की ओर से एक क्यूआर कोड जेनरेट किया गया है, जिसे स्कैन करके पार्षद वेबपेज पर 20 सवालों का जवाब देकर अपने वार्ड के विषय में अवगत कराएंगे। साथ ही सभी पार्षद दिए गए सवालों के जवाब के साथ अपने वार्ड की स्वच्छता के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी देंगे। वार्डों में स्वच्छता अभियान को और प्रभावी व सफल बनाने के संबंध में उनसे सुझाव भी लिए जाएंगे।नगर विकास के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एवं कचरा मुक्त शहर गार्बेज फ्री सिटी बनाने का उद्देश्य प्राप्त करने के लिए ही प्रत्येक नगरीय निकाय में स्वच्छता जनादेश 2023 लागू किया जा रहा। इस दौरान सभी वार्डों की स्वच्छता के मापदंडों पर उनके पार्षदों द्वारा स्व मूल्यांकन के माध्यम से 20 बिंदुओं पर सुझाव आमंत्रित किए जा रहे। स्वच्छता जनादेश 2023 डेडिकेटेड बार कोड के माध्यम से किया जाएगा। प्रमुख सचिव ने सभी जिलाधिकारियों, नगर आयुक्त और अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि स्वच्छता जनादेश 2023 को सही एवं निर्धारित समय सीमा में पार्षदों से प्राप्त करने की कार्यवाही अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। पार्षदों को जिन 20 सवालों पर अपने सुझाव देना है, उनमें उनके जिले, नगर निकाय, वार्ड, वार्ड संख्या जैसे सामान्य सवालों के साथ स्वच्छता से संबंधित सवाल भी है। इसमें वार्ड में कूड़ा गाड़ी के संचालन, गीला और सूखा कूड़ा अलग अलग करने, वार्ड में डोर–टू–डोर कूड़ा कलेक्शन होना, वार्ड में प्रतिदिन कूड़े वाली गाड़ी का आना जैसे सवाल होंगे, जिनका उत्तर पार्षदों को देना है। इसी तरह वार्ड में स्वच्छता कार्यक्रमों को लेकर भी जानकारी मांगी गई है, जैसे कि वार्ड में प्रतिदिन झाड़ू लगना ,कूड़ेदान डस्टबिन का उपलब्ध होना, कूड़ेदान की समय–समय पर सफाई होना, नाली और तालाब साफ सुथरे होना आदि। इसके अलावा वार्ड में प्लास्टिक और पॉलिथीन पर प्रतिबंध, जगह–जगह कचरे के ढेर जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जानकारी मांगी गई है। पूछा गया है की क्या उन्होंने कभी स्वच्छता संबंधित शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर 1533 व 18001800101 का उपयोग किया है या नहीं। कभी कोई स्वच्छता अभियान संचालित किए जाने से लेकर स्वच्छता समिति की बैठकों में प्रतिभाग किए जाने सम्बंधी उनके सुझाव मांगे गए हैं।

लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान पर नहीं आने दी जाएगी आंच

भारत के रोम रोम में रचा,बसा है लोकतंत्र

लोकतंत्र सेनानियों से विसंगतियों के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा मिलती है - केशव

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत के रोम रोम में लोकतंत्र रचा,बसा है। लोकतंत्र सेनानियों से विसंगतियों के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा मिलती है।लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान पर आंच नहीं आने दी जाएगी। केशव प्रसाद मौर्य बुधवार को लोकतंत्र सेनानी संघ के तत्वावधान में विशेश्वरैया सभागार में लोक नायक जयप्रकाश नारायण की जयंती पर आयोजित भारतीय लोकतंत्र का आपातकाल विषयक गोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। उप मुख्यमंत्री ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण व नाना जी देशमुख की जयंती पर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आपातकाल में लोकतंत्र सेनानियों ने जो संघर्ष किया, उससे वर्तमान पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। कहा कि लोकतंत्र की रक्षा की लोकतंत्र सेनानियों ने जो अलख जगाई, उसे कभी बुझने नहीं दिया जायेगा। लोकतंत्र सेनानी, लोकतंत्र के सजग पहरेदार हैं। कहा कि लोकतंत्र सेनानी संघ द्वारा जो मांग पत्र दिया गया है, उसके एक–एक विन्दु पर गहनता से विचार किया जायेगा। मानदेय बढ़ाने की जो मांग की गयी है, उसे उचित प्लेटफार्म पर रखते हुए बढ़वाये जाने का प्रयास किया जायेगा। सरकार देश के उन महानायकों के सपनों को साकार करने के लिए उसी परम्परा का निर्वाह कर रही है, जिसके बल पर उन्होंने देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया था। केन्द्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में उन्होंने विस्तार से प्रकाश डाला। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण की जीवन यात्रा व उनके संघर्ष व उनके जीवन के प्रेरक प्रसंगों की याद ताजा करते हुए कहा कि हम सब लोग उनके विचार को आत्मसात करें, तो हमारा आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। सरकार की हर योजना के मूल में गरीब हैं। मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है।कैबिनेट मन्त्री धर्मपालसिंह सिंह ने लोकतंत्र सेनानियों के हितों के लिए सरकार द्वारा किये गये कार्यों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला।

8 वीं की छात्रा से ऑटो चालक ने किया रेप

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में यहां स्कूल लाने और ले जाने वाले ऑटो ड्राइवर ने 8वीं की छात्रा से रेप किया। उसने बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। फिर सुनसान जगह ले जाकर दरिंदगी की। सिर्फ यही नहीं, वह बच्ची को जबरदस्ती होटल भी ले गया। वहां नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ गलत काम किया। ऑटो ड्राइवर के दरिंदगी से बच्ची डर गई। वह गुमसुम रहने लगी। डर के चलते उसने किसी को कुछ नहीं बताया। इसका खुलासा तब हुआ जब मां को कुछ शक हुआ। उन्होंने पूछताछ की तो पहले बच्ची ने कुछ बताया नहीं। फिर, सख्ती से पूछा तो उसने अपने साथ हुई दरिंदगी की बात बताई। यह सुनकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने परिवार को बताया। इसके बाद पीजीआई थाने में तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी ऑटो ड्राइवर इसरार को मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया है। छात्रा की उम्र 13 साल है। वह हजरतगंज के एक प्रतिष्ठित कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ती है। पीजीआई इलाके में वृंदावन योजना के एक फ्लैट में मां और नाना–नानी के साथ रहती है। पिता बाहर नौकरी करते हैं। तहरीर के मुताबिक, खलीलीबाद का रहने वाले इसरार छात्रा को ऑटो से स्कूल लेकर जाता था। इसी दौरान 30 सितंबर को आरोपी ने छात्रा से छेड़छाड़ की, लेकिन वो कुछ समझ नहीं पाई। फिर 1 अक्टूबर को इसरार ने स्कूल से लौटते वक्त छात्र को कोल्ड ड्रिंक में दवा मिलाकर पिला दी। वह बेहोश होने लगी, तो उसे पीजीआई इलाके के चिरैयाबाग नहर के पास ले गया। वहां ऑटो में दरिंदगी की। जब छात्रा को होश आया, तो इसरार ने उसे धमकाया। कहने लगा कि अगर किसी को इस बारे में बताया तो जान से मार देंगे। छात्रा भी डर गई। उसने घरवालों को कुछ नहीं बताया और गुमसुम रहने लगी।छात्रा की मां ने बताया कि बेटी कई दिनों से ज्यादा बोल नहीं रही थी। पढ़ाई में भी उसका मन नहीं लग रहा था। मुझे कुछ शक हुआ तो मैंने उससे पूछा। पहले तो आनाकानी की। फिर जब बेटी से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि ऑटो वाले इसरार अंकल बहुत गंदे हैं। उन्होंने मेरे साथ गलत काम किया है। फिर बेटी फफककर रोने लगी। मां ने बच्ची को किसी तरह से चुप कराया। इसके बाद तुरंत एसजीपीजीआई थाने जाकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि ऑटो चालक ने 30 सितंबर से 8 अक्टूबर के बीच छात्रा से कई गलत काम। यही नहीं, 2 बार धमकाकर उसे होटल में भी ले गया था। इस मसले पर इंस्पेक्टर राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि 8 अक्टूबर को छात्रा की मां ने ऑटो चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मंगलवार को आरोपी इसरार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

महिला कल्याण मंत्री ने 13 मृतक आश्रितों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने आज अपने सरकारी आवास पर महिला कल्याण विभाग के 13 मृतक आश्रितों को सरकारी सेवा में सेवायोजित करते हुए नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस मौके पर उन्होंने नियुक्ति पाने वाले कार्मिकों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सभी कर्मी पूरे मनोयोग से अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि मृतक आश्रितों को नियुक्ति पत्र प्रदान करते हुए प्रसन्नता हो रही है, लेकिन इस बात का दुःख भी है कि इनके अभिभावकों की आसमयिक मृत्यु हुई है, जिसकी कमी को पूरा नहीं किया जा सकता है। श्रीमती मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मृतक आश्रितों के प्रति बेहद संवेदनशील है। इसीलिए उन्हें शीघ्र अतिशीघ्र नियुक्ति पत्र देने का कार्य किया जा रहा है।

नन्दगांव में बनेगा 25 करोड़ रूपये की लागत से पर्यटक सुविधा केन्द्र

संवाददाता

लखनऊ। कृष्ण की नगरी मथुरा के नन्दगांव में लगभग 25 करोड़ रूपये की लागत से पर्यटक सुविधा केन्द्र का निर्माण किया जायेगा। इस पर्यटक केन्द्र के अस्तित्व में आ जाने से देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को ठहरने की सुविधा प्राप्त होगी। पर्यटक, श्रद्धालु जो महंगे होटल का खर्च उठाने में सक्षम नहीं होते। इस पर्यटक सुविधा केन्द्र में पार्किंग की व्यवस्था के अलावा फूडकोर्ट, रेस्ट रूम समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मथुरा में वृन्दावन, गोकुल, महावन, बल्देव, बरसाना, नन्दगांव तथा गोवर्धन जैसे विश्वविख्यात पर्यटन स्थल मौजूद हैं। पूरे वर्ष भर घरेलू तथा विदेशी श्रद्धालु बड़ी संख्या में आते रहते हैं। जिले में तीर्थनगरी नंदगांव धार्मिक और आस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यहां से बरसाना की दूरी मात्र आठ किलोमीटर और कोकिला वन तीन किलोमीटर पर है, जहां हमेशा श्रद्धालु आते रहते हैं। इस केन्द्र में कम से कम खर्च पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करायी जाएंगी। इसकी पार्किंग में 31 बसें तथा 245 कार खड़ी हो सकेगी। इस केन्द्र में स्थित फूटकोड की खासियत होगी कि यह खुला और कवर्ड दोनों होगा। श्रद्धालु अपने सुविधा के अनुसार इसका उपयोग कर सकते हैं। भूतल पर दो वीआईपी रेस्ट रूम तथा प्रथम तल पर 09 रेस्ट रूम की व्यवस्था की जायेगी। इसके अलावा 86 बेड का डारमेटरी का निर्माण होगा। वृन्दावन में पहले से ही इस तरह की सुविधाएं श्रद्धालुओं को उपलब्ध करायी जा रही है। वृंदावन में पहले से पर्यटक जनसुविधा केंद्र का निर्माण किया जा चुका है। यहां कई डारमेटरी, खुली रसोई समेत कई अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां भी बड़ी पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसी तर्ज पर नंदगांव में भी लोगों को कम कीमत पर अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास है। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। उनकी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। नंदगांव में पर्यटक जनसुविधा केंद्र बनाने की तैयारी है। काशी एवं अयोध्या की तरह मथुरा को भी विभिन्न अवस्थापना सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि पर्यटन सेक्टर में असीमित रोजगार तथा आमदनी की सम्भावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार पर्यटन सुविधाओं के विकास पर विशेष जोर दे रही है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के 75 जनपदों में कम से कम एक अथवा अधिक पर्यटन स्थलों को कनेक्टिविटी तथा बुनियादी सुविधाओं से लैश किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विशेष फोकस पर्यटन सेक्टर पर है। इस सेक्टर से छोटे कारोबारियों तथा सेवा प्रदाता व्यवसायियों का हित जुड़ा हुआ है। पर्यटन सेक्टर को आधुनिक जरूरतों के मुताबिक विकसित करने के लिए पर्यटन नीति–2022 जारी की गयी है जिसके तहत पर्यटन सेक्टर से जुड़े उद्यमियों को आकर्षक सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है। पर्यटन विभाग का प्रयास है कि देश की धरती पर कदम रखने वाला हर पर्यटक कहीं न जाकर सबसे पहले उत्तर प्रदेश की ओर आए। आधुनिक दौर में पर्यटन सेक्टर का देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान है, इसलिए पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार ने कई कदम उठाये हैं।

चित्रगुप्त पूजनोत्सव व शोभायात्रा को लेकर कायस्थ महासभा ने किया बैठक

राष्ट्रीय अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी का माल्यार्पण कर किया गया स्वागत

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ मुकेश श्रीवास्तव व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकेश सहारा के जौनपुर आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव के नेतृत्व में पॉलिटेक्निक चौराहा स्थित कैंप कार्यालय पर जिले व प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारी द्वारा माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर आगामी दिनों में होने वाली चित्रगुप्त पूजनोत्सव एवं शोभा यात्रा के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा किया गया, साथ ही जिला कमेटी को बेहतर ढंग से पूजन संपन्न कराने के लिए भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इसी क्रम में पूरे देश में कायस्थ महासभा द्वारा ज्यादा से ज्यादा कायस्थ बंधुओं को जोड़ने की मुहिम चलाई जा रही है जिसको लेकर सदस्यता अभियान भी चलाया जा रहा है इसकी भी समीक्षा की गई। जिसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष डॉ इंद्रसेन श्रीवास्तव ने आश्वस्त किया कि पूरे प्रदेश में तेजी से सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है और सभी कायस्थ को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नीलमणि श्रीवास्तव राष्ट्रीय सचिव रवि श्रीवास्तव प्रदेश सचिव और राकेश श्रीवास्तव साधु प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव पत्रकार पंकज सिन्हा महामंत्री सुरेश अस्थान अजय श्रीवास्तव सहित तमाम चित्रांश उपस्थित रहे। उक्त आशय की जानकारी प्रदेश प्रवक्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से दिया गया।

लखनऊ का ग्राउंड शानदार, पिच भी अच्छी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ की पिच बढ़िया है। यहां चेन्नई की तुलना में ओस भी कम हो सकती है। मैदान भी काफी अच्छा है। अपना पहला मैच भारत से हारने के बाद लखनऊ में अफ्रीका के खिलाफ मैच खेलने पहुंचे ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पेट कमिंस ने यह बात कही। कमिंस ने बुधवार को मीडिया से बात करते कहा, टॉस पर अभी क्या निर्णय होगा इस पर फैसला सोच कर लिया जाएगा। आज एक बार फिर से ग्राउंड पर ओस देखेंगे। उससे तस्वीर और क्लीयर होगी। पिच को लेकर हुए सवाल पर कमिंस ने कहा, जहां तक उनकी समझ है यह पिच बेहतर नजर आ रही है। लखनऊ का यह मैदान बहुत ही शानदार है। उन्होंने कहा, यहां चेन्नई से अलग माहौल होगा। यहां की परिस्थितियां अलग है।

जीवन में सफल और खुश रहने का आधार है अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। जनविकास महासभा एवं सामाजिक संगठन सोसायटी आफ करियर टेक्नॉलॉजी (सोक्ट) द्वारा जानकीपुरम स्थित सरस्वती बाल विद्या मंदिर में विद्यार्थी प्रतिभा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला सोक्ट की काउंसलर राजनंदनी ने विद्यार्थियों को 22,23 एवं 24 दिसंबर 2023 एन आर एल सी ट्रेनिंग संस्थान में आयोजित विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव में निःशुल्क प्रतिभा प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित करते हुये कहा कि जीवन में सफल और खुश रहने का आधार है कार्यशाला में विद्यार्थियों को पर्यावरण एवं जल संरक्षण का संकल्प दिलाने के साथ ही उन्हें उनकी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिये भी प्रेरित किया गया। कार्यशाला के दौरान जनविकास महासभा के अध्यक्ष पंकज तिवारी ने विद्यार्थियों को तनावमुक्त शिक्षा के गुण बताते हुये कहा कि तनाव मुक्त शिक्षा के लिए स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क का होना बहुत आवश्यक है इसलिए विद्यार्थियों को अपने खान–पान और योग पर प्रतिदिन ध्यान देना चाहिए इसके साथ ही अपने अंदर की प्रतिभा को दबाना नहीं चाहिए बल्कि उन्हें अपनी प्रतिभा के साथ ही शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए जिससे उनके अंदर शिक्षा का तनाव कभी महसूस नहीं होगा। कार्यशाला में सोक्ट के अध्यक्ष डॉ अगम दयाल ने पर्यावरण एवं कबाड़ से जुगाड़ के महत्व के बारे में विद्यार्थियों को बताया कि कैसे बेकार की चीजों से उपयोगी वस्तुओं को बनाया जा सकता है। कार्यशाला के दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती सुधा तिवारी, प्रदेश संगठन मन्त्री दिव्या शुक्ला सहित विद्यालय के मौजूद रहे।

प्रोफेसर सत्य देव शर्मा प्राकृत भाषा के संरक्षण पर सम्मानित

संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व संस्कृत विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सत्य देव शर्मा को फरीदाबाद में विद्याभूषण लोकमंगल न्यास नई दिल्ली द्वारा आयोजित विद्वत सम्मेलन में उनके द्वारा प्राकृत भाषा और साहित्य के संरक्षण एवं उन्नयन में अभूतपूर्व योगदान पर सम्मानित किया गया। प्रोफेसर शर्मा को सम्मान स्वरूप एक लाख रूपये का नगद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र, शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सत्य देव शर्मा को जैनमुनि वसुनंदी महाराज द्वारा 21 दुर्लभ पुस्तकें भेंट कर प्राच्यविद्यामहार्णव उपाधि कर वर्धापन कया गया। प्रो. शर्मा को यह सम्मान श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली तथा भारत सरकार अल्प संख्यक आयोग के सदस्य धनंजय कुमार जैन द्वारा प्रदान किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने व्यक्त किया आभार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। नवरात्र के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं के माता रानी तीर्थ स्थल पर आवागमन हेतु रेलवे द्वारा पूजा स्पेशल रेल गाड़ियों का संचालन समय अनुसार शुरू किए जाने पर पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक लखनऊ द्वारा विशेष प्रयास किए जाने पर पूर्वोत्तर रेलवे परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने आभार प्रकट किया है। जेड आर यू सी सी सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विगत 5 अक्टूबर को लखनऊ कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार से मिलकर माता वैष्णो देवी दरबार समेत अन्य देवी स्थलों के आवागमन हेतु विशेष रेल गाड़ियों के संचालन का सुझाव देते हुए आग्रह किया था। जिस पर पहल करते हुए जम्मूतवी एवं देवीपाटन मंदिर तुलसीपुर तक नवरात्रि स्पेशल रेल गाड़ियों के संचालन पर रेलवे ने यात्रियों की असुविधा को देखते हुए निर्णय लिया।

नेशनल डिजिटल लाइवस्टॉक मिशन अन्तर्गत चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता

लखनऊ। नेशनल डिजिटल लाइवस्टॉक मिशन यछक्स्डद्ध अन्तर्गत पशुओं में किये जा रहे कृत्रिम गर्भाधान, चिकित्सा, टीकाकरण, आदि की जानकारी रियल टाईम में ऑनलाईन फीड कर पशुओं का डेटाबेस तैयार कर इनकी विकास योजनओं को गति प्रदान करने के उदेद्श्य सेजून 2023 में Bharat Pasudhan App/Portal को उत्तर प्रदेश में लागू किया गया। वर्तमान में इस पोर्टल पर क्षेत्रीय स्तर पर आ रही तकनीकी एवं व्यवहारिक कठिनाईयों के दृष्टिगत उ0प्र0 पशुधन विकास परिषद द्वारा ज्मंउ छक्स्ड छक्क्ठ के सहयोग से यूपीएलडीबी मुख्यालय लखनऊ पर 20 जनपदों के नोडल एवं सह नोडल अधिकारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो दिनांक 10.अक्टूबर 2023 से प्रारम्भ होकर दिनांक 13.अक्टूबर .2023 तक चलेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता डा0 नीरज गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूपीएलडीबी द्वारा की गई, इस अवसर परमुख्य अतिथि के रूप में डा0 ए0के0 जादौन, निदेशक, पशुपालन विभाग, उ0प्र0, डा0 अनिल दीक्षित, उपनिदेशक तथा डा0 नम्रता शुक्ला, बी0पी09 संस्थान, पशुपालन विभाग,डा0 आलोक कुमार यादव, स्टेट नोडल अधिकारी (एनडीएलएम), डा0 सौरभ गुप्ता, स्टेट नोडल अधिकारी (एनएआईपी), डा0 विमलेश, प्रभारी मैत्री यूपीएलडीबी, तथा ज्मंउ छक्स्ड छक्क्ठ के उच्च अधिकारियों यथा–श्री वसन्त वी नाईक, मैनेजर, श्री राकेश रावत एवं विजय सैनी, सीनियर कन्सल्टेन्ट(पीएमयू), डा0 नीलेश के गोहिल तथा श्री नवीन सिंह, कन्सल्टेन्ट द्वारा प्रतिभाग किया गया।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।